संख्या-428/2025/4042/22-2-2023-17(1417)/2023

प्रेषक,

शिव गोपाल सिंह,
संयुक्त सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

पुलिस महानिदेशक/महानिरीक्षक,
कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवायें,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

कारागार प्रशासन एवं सुधार अनुभाग-2 लखनऊः दिनांक 08 मई, 2025

विषयः- जिला कारागार, मेरठ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी ताहिर पुत्र श्री भोटन, निवासी जनपद- मेरठ की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक अधीक्षक (मु0) कारागार के पत्र संख्या-33564/प्रोबे०-5-दया० बैठक-07.11.2023, दिनांक 16.11.2023 का कृपया संदर्भ ग्रहण करें।

2- उक्त पत्र द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्तावानुसार जिला कारागार, मेरठ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी ताहिर पुत्र श्री भोटन, जो 18/01, किदवई नगर, थाना-लिसाड़ी गेट, जनपद-मेरठ का निवासी है। बंदी द्वारा जमीनी विवाद व आपसी रंजिश के कारण दिनांक 07.06.2003 को 03 सह-अभियुक्तों के साथ मिलकर रिवाल्वर, बन्दूक व पिस्तौल से गोली मारकर 03 व्यक्तियों की हत्या कारित की गयी। उक्त अपराध हेतु बन्दी को सत्र परीक्षण संख्या-668, 671/2003 में भा०द०वि० की धारा-302/149,307/149,148 व 25 आर्म्स एक्ट के अन्तर्गत मा० न्यायालय, अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-01, मेरठ के आदेश दिनांक 04.08.2007 मृत्युदण्ड की सजा से दण्डित किया गया, जिसे मा० उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा अपने आदेश दिनांक 05.09.2008 द्वारा आजीवन कारावास व अन्य सजा (20 वर्ष की वास्तविक सजा पूरी किए जाने तक रिमिशन का पात्र नहीं होगा) में परिवर्तित किया गया। बन्दी द्वारा दिनांक 16.10.2023 तक अपरिहार 20 वर्ष, 04 माह, 06 दिन एवं सपरिहार 20 वर्ष, 05 माह, 00 दिन की सजा भोगी गयी है।

3- सिद्धदोष बन्दी ताहिर पुत्र श्री भोटन की दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई के प्रकरण पर समिति द्वारा विचार किया गया| बंदी द्वारा कारित अपराध की प्रकृति (03 व्यक्तियों की हत्या) तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिला मजिस्ट्रेट, मेरठ द्वारा समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं किए जाने के दृष्टिगत, सभी बिन्दुओं पर सम्यक विचारोंपरांत समिति द्वारा बंदी की समयपूर्व रिहाई की संस्तुति नहीं की गयी है।

4- इस सम्बन्ध में मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि जिला कारागार, मेरठ में निरूद्ध सिद्धदोष बन्दी ताहिर (बन्दी संख्या-10009/12) पुत्र श्री भोटन, निवासी जनपद-मेरठ की भारत का संविधान के अनुच्छेद-161 के अन्तर्गत दयायाचिका के आधार पर समयपूर्व रिहाई की संस्तुति सम्यक् विचारोपरान्त मा0 राज्यपाल महोदया द्वारा अस्वीकार कर दी गयी है। कृपया उपरोक्त से बन्दी को भी अवगत कराने का कष्ट करें।

भवदीय,
शिव गोपाल सिंह
संयुक्त सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है।

http://shasanadesh.up.gov.in

संख्या-428/2025/4042(1)/22-2-2023 एवं तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- जिला मजिस्ट्रेट, मेरठ।

2- अधीक्षक, जिला कारागार, मेरठ।

3- निजी सचिव, मा0 मंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन।

4- निजी सचिव, मा0 राज्यमंत्री, कारागार प्रशासन एवं सुधार विभाग, उ0प्र0 शासन।

5- नोडल अधिकारी/अधीक्षक, जिला कारागार, गाजियाबाद को मा0 उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली में योजित विशेष अनुज्ञा याचिका (क्रिमि0) संख्या-529/2021 सोनाधर बनाम छत्तीसगढ़ राज्य तथा सुओ मोटो रिट पिटीशन (क्रिमि0) संख्या-04/2021 पॉलिसी स्ट्रेट्जी फार ग्रान्ट ऑफ बेल में मा0 उच्चतम न्यायालय नई दिल्ली द्वारा पारित आदेश दिनांक 10.09.2024 के सन्दर्भ में।

6- गार्ड फाइल।

आज्ञा से
ममता श्रीवास्तव
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.gov.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नही है।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.gov.in से सत्यापित की जा सकती है।